राज्यपाल सचिवालय
राज भवन, जयपुर

राजभवन में जम्मू कश्मीर और लद्दाख स्थापना दिवस मनाया

लद्दाख के कलाकारों की हुई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां राज्यपाल ने कहा दोनों प्रदेश प्रकृति द्वारा भारत को सौंपा उपहार

जयपुर, 31 अक्टूबर। जम्मू कश्मीर और लद्दाख के स्थापना दिवस पर राजभवन में मंगलवार को वहां के स्थानीय कलाकारों द्वारा मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। लद्दाख के कलाकारों ने वहां के वाद्य यंत्र कोपोंग की मधुर प्रस्तुति के साथ लद्दाखी लोक संगीत और सुप्रसिद्ध जबरू नृत्य का विशेष रूप से प्रदर्शन किया। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने लद्दाख से आए प्रतिनिधिमंडल और जम्मू कश्मीर के स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए राजभवन में उनका भाव भरा अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि धरती का स्वर्गिक सौंदर्य समाए यह दोनों ही प्रदेश प्रकृति का हम सबको सौंपा उपहार है। उन्होंने विविधता में एकता की भारत भूमि से जुड़ी इन प्रदेशों की संस्कृति और परम्पराओं को देश की अनमोल धरोहर बताया।

राज्यपाल ने कहा कि विविधताओं में एकता की भारत भूमि भाईचारे और सद्भाव की मिसाल है। उन्होंने संविधान की भारतीय संस्कृति और उससे जुड़े मूल्यों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अधिकारों के साथ साथ हमें कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने जम्मू कश्मीर और लद्दाख में प्रकृति द्वारा बिखेरे सौंदर्य की चर्चा करते हुए कहा कि राजभवन में प्रदेशों के स्थापना दिवस आयोजन हमें हमारी परस्पर मेलजोल की प्रकृति, मिट्टी और लोक से जुडी संस्कृति से जोड़ती है। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री सुबीर कुमार और प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविंदराम जायसवाल भी उपस्थित रहे।

———————

सरदार पटेल की छवि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए

राज्यपाल ने सरदार पटेल का भावभरा स्मरण किया

जयपुर, 31 अक्टूबर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने मंगलवार को राजभवन में देश लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की छवि पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनका भावभरा स्मरण किया।

श्री मिश्र ने इस अवसर पर कहा कि आजादी के बाद रियासतों के एकीकरण से देश को एकता के सूत्र में पिरोने का महती कार्य सरदार वल्लभ भाई पटेल ने किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल भारत की एकता के युगपुरुष थे। इसीलिए उनका जन्म दिन राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री सुबीर कुमार और प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविंदराम जायसवाल भी उपस्थित रहे।

————————